

कार्यालय कमिश्नर वाणिज्य कर, ३०३०

(संख्या-अनुभाग)

लखनऊ :: दिनांक : दिसम्बर ३०-१२-२०१६

समस्त जोनल एडीशनल कमिश्नर, वाणिज्य कर,
उत्तर प्रदेश।

इस कार्यालय के पत्रांक 156 दिनांक 12-5-2016 तथा इसके उपरांत प्रत्येक माह की मासिक बैठकों में आपसे अनुरोध किया जाता रहा है कि वाणिज्य कर संग्रह की प्रान्तीय वैट की प्राप्तियों के वैट के नये लेखाशीर्ष 004000-111 के विभिन्न मदों में ही मैनुअली जमा कराया जाए। इसका आनलाइन चालान वेबसाइट पर उपलब्ध है। किन्तु अभी तक विभिन्न जनपदों में महालेखाकार ३०३० के अभिलेखों में / रूपपत्र-३ में संलग्न सूची के अनुसार धनराशि पुराने समाप्त किये गये लेखाशीर्ष-004000-102 के विभिन्न मदों में जमा हो रही है, जो आपके सार्थक प्रयास को परिलक्षित नहीं करती है। इससे मिलान कार्य कराने में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। वैट प्राप्तियों के लेखाशीर्ष-004000111 में सही प्राप्तियाँ पुस्तान्कित न होने से भविष्य में जी०एस०टी० लागू होने पर यही प्राप्तियाँ केन्द्र से क्षतिपूर्ति प्राप्त करने का आधार होगी।

महालेखाकार कार्यालय इलाहाबाद से प्राप्तियों के मिलान में यह भी पाया गया है कि कतिपय जनपदों द्वारा केवल नये रूपपत्र-३ में दर्शित लेखाशीर्ष-004000111 एवं उसके उपशीर्षों में प्राप्तियाँ दिखायी गयी है जबकि यह प्राप्तियाँ महालेखाकार ३०३० के अभिलेखों में लेखाशीर्ष-004000102 एवं उसके उपशीर्षों में जमा पायी गयी है। स्पष्ट है कि केवल विभागीय रूपपत्र-३ के लेखाशीर्षों में संशोधन किया गया है जबकि प्राप्तियाँ पुराने चालान के लेखाशीर्ष में ही व्यापारी द्वारा जमा की जा रही है। कतिपय जनपदों द्वारा अभी भी पुराने रूपपत्र-३/ लेखाशीर्ष-004000102 में ही प्राप्तियाँ दिखायी जा रही है, जो अनुचित है।

महालेखाकार कार्यालय इलाहाबाद से प्राप्तियों के मिलान में यह भी पाया गया है कि कतिपय जनपदों द्वारा अनुचित लाभ लेने की दृष्टि से विभागीय रूपपत्र-३ में अंकित लेखाशीर्षों के इतर लघुशीर्ष-0040000103 एवं 0040000106 की प्राप्तियों को रूपपत्र-३ में शामिल कर लिया जा रहा है जबकि लघुशीर्ष-0040000103 एवं 0040000106 की प्राप्तियों को विभाग के राजस्व से सम्बन्धित न होने के कारण रूपपत्र-३ में सम्मिलित न करने के निर्देश पूर्व में दिये जा चुके हैं।

निर्देशित किया जाता है कि सम्बन्धित जनपद में तदनुसार कार्यवाही कराते हुए व्यापारियों को नये चालान उचित लेखाशीर्ष सहित उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा आवश्यक होने पर खण्ड कार्यालयों में यह व्यवस्था प्रभावी करायें कि सही लेखाशीर्ष में जमा धनराशि की ही रसीदें काटी जाए ताकि व्यापारी व अधिवक्तागण इस सम्बन्ध में स्वयं रुचि लेकर सही लेखाशीर्ष में धनराशि जमा करें। कृपया कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करायें।

संलग्नक-पृष्ठ भाग पर।

(मुकेश कुमार मेथ्राम)

कमिश्नर वाणिज्य कर,


उत्तर प्रदेश लखनऊ।

पृ० पत्र सं० व दिनांक उक्त।

प्रतिलिपि-

1-निदेशक कोषागार, ३०३० जवाहरभवन लखनऊ को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि प्रदेश के सभी कोषागारों को लेखाशीर्ष-004000102 एवं उसके उपशीर्ष के स्थान पर लेखाशीर्ष-004000111 एवं उसके उपशीर्ष में ही प्राप्तियाँ प्रदर्शित/संकलित कराने के निर्देश देने का कष्ट करें।

2- समस्त जनपदों के डिप्टी कमिश्नर(प्रशासन) वाणिज्यकर द्वारा सम्भागीय ज्वा० कमि० (कार्य०) व्यापारकर ३०३०।


Kamishner, Com.

कमिश्नर वाणिज्य कर,

उत्तर प्रदेश लखनऊ।

